कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (40) खण्ड - {79}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें..........

प्रश्न 1- कौनसा पहला पाठ अच्छी तरह से रोज़ पक्का करते रहो ?

A- हम अशरीरी आत्मा हैं।

B- हम विदेही हैं

C- हम देही अभिमानी हैं।

D- हम ज्ञानी आत्मा हैं।

प्रश्न 2- सम्पूर्ण सरेन्डर किसको कहा जायेगा ?

A- वह देही-अभिमानी होंगे।

B- तन-मन-धन वह बाबा को अर्पण करते।

C- पूरे ट्रस्टी होकर रहेंगे।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- त्रेता अन्त तक कितने प्रिन्स-प्रिन्सेज होते हैं ?

A- 16000

B- 108

C- 16108

D- 9 लाख

प्रश्न 4- किसको कभी वर्से का नशा नहीं होगा ?

A- माताओ

B- कन्या

C- भाईयों

D- बांधेलियों

प्रश्न 5-ज्ञान अमृत है और योग क्या है ?

A- याद

B- अग्नि

C- मग्न अवस्था

D- बल

प्रश्न 6- बाप बच्चों को जो डायरेक्शन देते, वही ज्ञान है उसी पर चलने से क्या मिल जाती है ?

A- स्वर्ग की राजाई

B- लक्ष्मी-नारायण का राज्य

C- स्वराज्य

D- जीवन-मुक्ति

प्रश्न 7- आपस में अविनाशी ज्ञान रत्नों की लेन-देन करके एक दो की क्या करो ?

A- महिमा

B- पालना

C- सेवा

D- गुणगान

प्रश्न 8- गीता में है ही किस की बातें ?

A- ज्ञान

B- आत्मा

C- राजयोग

D- योग

प्रश्न 9- इनमें से कौन इकट्ठे नहीं हो सकते ?

A- राम- सीता

B- लक्ष्मी-नारायण

C- राधे-कृष्ण

D- कंस -कृष्ण

प्रश्न 10- यह ज्ञान है जैसे क्या, जो झट उड़ जाता है ?

A- जल

B- पारा

C- अमृत

D- बूंद

प्रश्न 11- ज्ञान का कौन सा अक्षर सभी से मीठा है ?

A- मन्मनाभव

B- मुक्ति -जीवनमुक्ती

C- पतित पावन

D- मामेकम्

प्रश्न 12- चैरिटी बिगेन्स एट होम अर्थात् पहले खुद को क्या समझ फिर भाईयों को समझाओ ?

A- आत्मा

B- ब्राह्मण

C- निराकार

D- ट्रस्टी

प्रश्न 13- गीता, भागवत, रामायण, महाभारत में जो लिखा हुआ है उसकी अब तुम क्या कर सकते हो ?

A- किनारा कर

B- पीठ कर

C- प्रीत कर

D- विमुख कर

प्रश्न 14- अन्त मे इब्राहम, क्राइस्ट आदि की आत्मायें आती हैं - क्या करने ?

A- सलामी भरने

B- लक्ष्य लेने

C- दुआ लेने

D- A और B

प्रश्न 15- गैलप करने का आधार क्या है ?

A- सच्चे परवाने बनना।

B- माया के तूफानों से सदा बचकर रहना।

C- श्रीमत पर चलते रहना है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16- माया की मत पर चलते 100 परसेन्ट क्या बन पड़ते हैं ?

A- पतित

B- दुःखी

C- दुर्भाग्यशाली

D- अज्ञानी

भाग (40) खण्ड {79} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.हम अशरीरी आत्मा है*

जीते जी मरजीवा बनो, हम अशरीरी आत्मा हैं, यही पहला पाठ अच्छी तरह से रोज़ पक्का करते रहो''

उत्तर 2- *D.उपरोक्त सभी*

जो सम्पूर्ण सरेन्डर हैं वह देही-अभिमानी होंगे। यह देह भी हमारी नहीं, अभी हम नंगे बनते हैं अर्थात् *तन-मन-धन जो कुछ है, वह बाबा को अर्पण करते हैं। सब मेरा मेरा समाप्त कर पूरे ट्रस्टी होकर रहना ही सम्पूर्ण सरेन्डर होना है।
* बाबा कहते - बच्चे, मेरा बनकर सबसे ममत्व मिटा दो।

धन्धा धोरी करो, सम्भालो, माँ बाप की पालना का कर्जा उतारो परन्तु बाप की श्रीमत पर ट्रस्टी होकर।

उत्तर 3- *C.16108*

16108 की माला बहुत बड़ी है। अन्त में आकर पूरी होगी। त्रेता अन्त तक इतने प्रिन्स-प्रिन्सेज बनते हैं। कुछ तो निशानी है ना। 8 की भी निशानी है, 108 की भी निशानी है। यह बिल्कुल राइट है। *त्रेता अन्त तक इतने 16108 प्रिन्स-प्रिन्सेज होते हैं।* शुरू में तो नहीं होंगे। पहले थोड़े होंगे फिर वृद्धि पाते जाते हैं। वह सब बनते यहाँ हैं, चांस अभी बहुत अच्छा है। परन्तु मेहनत बहुत है।

उत्तर 4- *B.कन्या*

बाप है ही गरीब निवाज़। सबसे गरीब मातायें हैं, उनसे भी जास्ती कन्यायें गरीब हैं। *कन्या को कभी वर्से का नशा नहीं होगा।* बच्चे को बाप की जागीर का नशा रहता है। तो वह सब छोड़ फिर वैकुण्ठ का वर्सा लेना पड़े।

उत्तर 5- *B.अग्नि*

ज्ञान अमृत है और योग अग्नि है, ज्ञान और योग से तुम्हारे सब दु:ख-दर्द दूर हो जायेंगे"

उत्तर 6- *A.स्वर्ग की राजधानी*

बाप जब आते हैं तो बच्चों को जो डायरेक्शन देते, वही ज्ञान है *उसी पर चलने से स्वर्ग की राजाई मिल जाती है।*

उत्तर 7- *B.पालना*

आपस में अविनाशी ज्ञान रत्नों की लेन-देन करके *एक दो की पालना करो*, ज्ञान रत्नों का दान करते रहो"

उत्तर 8- *C.राजयोग*

यह बोर्ड बनाना बहुत सहज है। चाहे त्रिमूर्ति लगाओ वा शिव का लगाओ। नाम परमपिता परमात्मा शिव तो लगा हुआ है। *वह है गीता का भगवान। गीता में है ही राजयोग

की बातें।* तब हम लिखते हैं दैवी स्वराज्य ईश्वरीय जन्म सिद्ध अधिकार है। यह है शिवबाबा और यह प्रजापिता ब्रह्मा, इन द्वारा वर्सा मिलता है

उत्तर 9- *D.कंस-कृष्ण*

अभी तुम बच्चे जानते हो बेहद का बाप आकर हम बच्चों को फिर से राजयोग सतयुग के लिए सिखाते हैं। तुमको वैकुण्ठ का मालिक बनना है। कृष्णपुरी जाना है। *यह तो कंसपुरी है। कंस और कृष्ण इकट्ठे नहीं हो सकते।*

उत्तर 10- *B.पारा*

बच्चे बड़े होकर तख्त पर बैठेंगे तो मम्मा-बाबा सेकेण्ड नम्बर में चले जायेंगे। पहले वाले राजा-रानी फिर छोटे हो जायेंगे। तो पुरुषार्थ कर बाबा-मम्मा के तख्त पर जीत पहननी चाहिए। अभी नहीं जीत पानी है, भविष्य तख्त पर जीत पानी है, मम्मा-बाबा आकर तुम्हारा वारिस बनें। बाबा बच्चों को कितना अच्छी रीति समझाते हैं। *यह ज्ञान है जैसे पारा, जो

झट उड़ जाता है।* कोई पास तो जरा भी धारणा नहीं है। वन्डर है ना!

उत्तर 11- *A.मनमनाभव*

यह है ज्ञान की सैक्रीन। सैक्रीन की एक बूंद भी कितनी मीठी होती है। *ज्ञान का भी एक ही अक्षर है मन्मनाभव।* सभी से कितना मीठा है। अपने को आत्मा समझ और बाप को याद करो। बाप शान्तिधाम और सुखधाम का रास्ता बता रहे हैं। बाप आये हैं बच्चों को स्वर्ग का वर्सा देने। तो बच्चों को कितनी खुशी रहनी चाहिए

उत्तर 12- *A.आत्मा*

चैरिटी बिगेन्स एट होम अर्थात् पहले खुद को आत्मा समझ फिर भाईयों को समझाओ। तो अच्छी रीति तीर लगेगा। यह जौहर भरना है। मेहनत करेंगे तब ही ऊंच पद पायेंगे। कुछ सहन भी करना पड़ता है।

उत्तर 13- *B.पीठ कर*

बाप का यह अन्तिम डायरेक्शन है - *मीठे-मीठे बच्चे अब जाना है परमधाम। गीता, भागवत, रामायण, महाभारत में जो लिखा हुआ है उसकी अब तुम पीठ कर सकते हो।* जो बाबा ने पहले सहज राजयोग सिखाया था, वो अब सिखला रहे हैं। भक्ति मार्ग के शास्त्रों में और अब प्रैक्टिकल की बातों में कितना रात दिन का फ़र्क है!

उत्तर 14- *D. A और B*

बाप कहते हैं अब मरना है। जरूर निर्वाणधाम में जाना है तो क्यों न कमाई करनी चाहिए। और धर्म वाले भी आकर लक्ष्य लेंगे। *बच्चों ने साक्षात्कार किया है - इब्राहम, क्राइस्ट आदि की आत्मायें आती हैं - सलामी भरने, लक्ष्य लेने।* बाकी नॉलेज नहीं लेंगे।

उत्तर 15- *D.उपरोक्त सभी*

जो अच्छे-अच्छे फूल हैं, जिनकी बुद्धि में ज्ञान का मंथन चलता रहता है उनकी अवस्था बहुत मस्त रहती है। ज्ञान और योग की शिक्षा दे खुशबू फैलाने वाले बच्चे बहुत प्रफुल्लित रहते हैं। *गैलप करने का आधार है सच्चे परवाने बनना। माया के तूफानों से सदा बचकर रहना। श्रीमत पर चलते रहना है।*

उत्तर 16- *C.दुर्भाग्यशाली*

ईश्वर की मत तुमको अब ही मिलती है। ईश्वरीय मत की रिजल्ट 21 जन्म तक चलती है। फिर आधा कल्प माया की मत पर चलते हैं। ईश्वर एक ही बार आकर मत देते हैं। माया तो आधा कल्प से है ही है। मत देती ही रहती है। *माया की मत पर चलते 100 परसेन्ट दुर्भाग्यशाली बन पड़ते हैं।*

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (40) खण्ड - {80}

प्रश्न 1-किसका नाम, रूप, देश, काल तो एक ही है, वह कभी बदलता नहीं ?

A- परमपिता परमात्मा

B- देवताओं

C- ब्रह्मा

D- विष्णु

प्रश्न 2- देवताओं से भी मर्तबा ऊंचा किसका है ?

A- फरिश्तों

B- ब्राह्मणों

C- आत्माओ

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- आत्मा ऐसे ही शीतल है जैसे कौन शीतल है ?

A- पवन

B- पानी

C- परमात्मा

D- देवता

प्रश्न 4- किसकी मिलकियत को याद कर अपार खुशी में रहना है?

A- दादे

B- बाप

C- साजन

D- ब्राह्मण

प्रश्न 5-बाप की दिल में कौन सी शुभ आश सदा रहती है ?

A- सुख देने की

B- आप समान बनाने की

C- ज्ञान रत्न देने की

D- शान्ति देने की

प्रश्न 6- मन सबसे जास्ती हैरान करने वाला है, योग नहीं है तो मन क्या बन जाता है ?

A- चंचल

B- शैतान

C- अस्थिर

D- अशान्त

प्रश्न 7- जो ज्ञान से तुम्हारी सद्गति करते हैं, उसको क्या कहते हैं ?

A- ज्ञान अमृत कहते हैं।

B- मान सरोवर कहते हैं।

C- अमृत कहते हैं।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- क्या बन मुख से ज्ञान रत्न निकालने हैं ?

A- रुप बसन्त

B- ज्ञानी तु आत्मा

C- रूहानी जादूगर

D- योगी तू आत्मा

प्रश्न 9- योग से ही ताकत आयेगी, अनेक जन्मों की पुरानी आदतें मिटेंगी, सर्वगुण धारण होंगे इसलिए क्या करो ?

A- ज्ञान को धारण

B- ज्ञान और योग

C- बाप को याद

D- धारणा और सेवा

प्रश्न 10- तुम बच्चे अभी किस माला का दाना बनने की रेस कर रहे हो ?

A- रूद्र माला

B- विजय माला

C- वैजंन्ती माला

D- रूण्ड माला

प्रश्न 11- क्या बन बाप का नाम बाला करना है ?

A- गॉाडली स्टूडेंट

B- गॉडली बुलबुल

C- गॉडली फुल

D- गॉड गॉडेज

प्रश्न 12- किस पर साइलेन्स की शक्ति का प्रयोग करो और सिद्धि स्वरूप बनो ?

A- तन पर

B- मन पर

C- संस्कार पर

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- नर से नारायण, नारी से लक्ष्मी बनना इसको क्या कहा जाता है ?

A- प्रालब्ध

B- प्राप्ति

C- .इनाम

D- सौभाग्य

प्रश्न 14- दूरादेशी बन तीनों लोकों और तीनों कालों को जान बुद्धि से रेस करनी है।इस .... से मुक्त होना है ?

A- पतित दुनिया,पतित शरीर

B- तमोप्रथान दुनिया, तमोप्रधान शरीर

C- छी-छी दुनिया, छी-छी शरीर

D- पापी दुनिया पापी शरीर

प्रश्न 15- जैसे बाबा फ्राकदिल बन तुम बच्चों से क्या लेकर तुम्हें विश्व की बादशाही देते हैं ?

A- कौड़ी

B- 5 विकार

C- कखपन

D- माया

प्रश्न 16- इनमे से कौन सा सही है ?

A- इस अन्तिम जन्म में तुम एक ही बार देही-अभिमानी बनते हो।

B- सतयुग से कलियुग तक यह देही-अभिमानी बनने की शिक्षा कोई देता ही नहीं।

C- इस समय ही देही-अभिमानी बनना पड़ता है क्योंकि अब शरीर छोड़ मेरे पास आना है।

D- उपरोक्त सभी

भाग (40) खण्ड {80} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.परमपिता परमात्मा*

परमपिता परमात्मा को हमेशा ऊपर में याद किया जाता है। क्राइस्ट को ऊपर में याद नहीं करेंगे। *परमपिता परमात्मा का नाम, रूप, देश, काल तो एक ही है। वह कभी बदलता नहीं।* तो यह बाप बैठ अच्छी रीति समझाते हैं।

उत्तर 2- *B.ब्राह्मणों*

वहाँ इन लक्ष्मी-नारायण आदि को भी पता थोड़ेही रहता है कि स्वर्ग के सुख हमको किसने दिये? अगर यह समझें तो फिर यह भी समझें कि इनसे पहले हम कौन थे? बड़ी वन्डरफुल बातें हैं। लक्ष्मी-नारायण को यह पता नहीं रहता कि

यह राजधानी हमको किसने दी है। सिवाए तुम ब्राह्मणों के और कोई नहीं जानते। *तुम ब्राह्मणों का देवताओं से भी मर्तबा ऊंचा है।*

उत्तर 3- *C.परमात्मा*

ऐसे नहीं आत्मा कोई छोटी-बड़ी होती है। आत्मा में नॉलेज न होने कारण वह मैली हो जाती है। मुरझा जाती है। दीवा बुझ जाता है, फिर उसमें ज्ञान घृत पड़ने से दीवा जगता है। बाकी आत्मा क्या है? ऐसे नहीं कोई आग है। *आत्मा ऐसे ही शीतल है जैसे परमात्मा शीतल है।* वह है ही सभी को शीतल करने वाला।

उत्तर 4- *A.दादे*

21जन्म तुम सदा सुख की प्रापर्टी लेते हो। परमपिता परमात्मा है दादा (ग्रैण्ड फादर)। बाबा कहेंगे ब्रह्मा को। कहते हैं यह प्रापर्टी हम दादे से ले रहे हैं। तुम जितना पुरुषार्थ करेंगे उतना दादे की प्रापर्टी मिलेगी। *दादे की मिलकियत को याद

कर अपार खुशी में रहना है।* रूहानी धन्धा कर विश्व की बादशाही लेनी है।

उत्तर 5- *A.सुख देने की*

बाप की दिल में सदा ही बच्चों को सुख देने की आश रहती है। बेहद के बाप को कभी भी विकल्प वा बुरा कर्म करने का संकल्प, दु:ख देने का संकल्प नहीं आ सकता क्योंकि वह है सुखदाता।

उत्तर 6- *B.शैतान*

वहाँ माया होती नहीं जो कोई का मन भटके। यहाँ तो मन माया के वश है। *मन सबसे जास्ती हैरान करने वाला है। योग नहीं है तो मन शैतान बन जाता है।* देखना है हम बाबा से कितना धन लेकर और फिर दान करते हैं। मम्मा बाबा भी तो तुम्हारे जैसे मनुष्य ही हैं।

उत्तर 7- *D.उपरोक्त सभी*

बाबा रूप बसन्त की कहानी सुनाते हैं, जिनके मुख से रत्न निकलते थे। बाकी तो सब भक्ति मार्ग के शास्त्र बना दिये हैं। सद्गति करने वाला एक ही बाप है, जो ज्ञान से तुम्हारी सद्गति करते हैं, *इसको ज्ञान अमृत भी कहा जाता है। मान सरोवर कहते हैं, अमृत भी कहते हैं।*

उत्तर 8- *A.रूप बसन्त*

तुम देही-अभिमानी बनने की कोशिश करेंगे तो माया फिर देह-अभिमानी बनाती रहेगी। यह लड़ाई नम्बरवन है। माया देह-अभिमानी बनाए एकदम खड्डे में डाल देती है, देरी नहीं करती। तो अपनी बुद्धि से काम लेना चाहिए। *रूप-बसन्त बन मुख से ज्ञान रत्न निकालने हैं।* योग से अपनी बुद्धि को सालिम बनाना है।

उत्तर 9- *C.बाप को याद*

मीठे बच्चे - *योग से ही ताकत आयेगी, अनेक जन्मों की पुरानी आदतें मिटेंगी, सर्वगुण धारण होंगे इसलिए जितना हो सके बाप को याद करो,* जितना बाबा को याद करेंगे

उतनी ताकत आयेगी और गुण धारण नहीं करेंगे तो माया कदम-कदम पर थप्पड़ मारेगी।

उत्तर 10- *B.विजयमाला*

तुम हो ब्रह्माकुमार-कुमारियां परन्तु इस समय तुम्हारी माला नहीं है क्योंकि रेस चल रही है। *तुम बच्चे अभी विजय माला का दाना बनने की रेस कर रहे हो।* इस रेस में कोई कोई बहुत अच्छा दौड़ते हैं, कोई कोई थक जाते हैं। थकने का कारण है पढ़ाई पर पूरा ध्यान नहीं। मैनर्स सुधरते नहीं। ऐसे बच्चों पर शक पड़ता कि यह कल नहीं रह सकेंगे।

उत्तर 11- *B.गॉडली बुलबुल*

यहाँ बच्चे भी ऐसे हैं, बिल्कुल बुद्धि में ठहरता नहीं है। नम्बरवार हैं, पता लग जाता है यह गॉडली बुलबुल है वा नहीं। हमेशा सपूत बच्चे ही दिल पर चढ़ते हैं, जो सर्विस पर तत्पर रहते हैं इसलिए *गॉडली बुलबुल बन बाप का नाम बाला करना है।*

उत्तर 12- *D.उपरोक्त सभी*

साइलेन्स की शक्ति का विशेष यंत्र है “शुभ संकल्प"। इस संकल्प के यंत्र द्वारा जो चाहो वह सिद्धि स्वरूप में देख सकते हो, इसका प्रयोग पहले स्व के प्रति करो। कर्मभोग - कर्म का कड़ा बंधन साइलेन्स की शक्ति से पानी की लकीर मिसल अनुभव होगा। *तो तन पर, मन पर, संस्कारों पर साइलेन्स की शक्ति का प्रयोग करो और सिद्धि स्वरूप बनो। *

उत्तर 13- *C.इनाम*

याद से ही विकर्म विनाश होंगे। याद नहीं करते हैं, तो विकर्म विनाश न होने के कारण पिछाड़ी में रह जाते हैं। प्रजा वा दास-दासी बनना यह कोई प्राइज़ नहीं है। *नर से नारायण, नारी से लक्ष्मी बनना इसको इनाम कहा जाता है।* बाप राजाई का इनाम देते हैं, अगर उनकी मत पर चल दौड़ी लगाई तो।

उत्तर 14- *C.छी-छी दुनिया,छी-छी शरीर*

तीनों कालों, तीनों लोकों की नॉलेज तुम्हारी बुद्धि में है। 84 जन्मों का ज्ञान और कोई में हो नहीं सकता। दूरादेशी बन तीनों लोकों और तीनों कालों को जान बुद्धि से रेस करनी है। *इस छी-छी दुनिया, छी-छी शरीर से मुक्त होना है।*

उत्तर 15- *C.कखपन*

जैसे बाबा फ्राकदिल बन तुम बच्चों से कखपन ले तुम्हें विश्व की बादशाही देते हैं। ऐसे तुम्हें भी फ्राकदिल बनना है। जगह-जगह पर गाडली युनिवर्सिटी खोल दो। 3-4 ने भी अच्छा पद पाया तो अहो सौभाग्य। सपूत बन सतगुरू का शो करो। कभी भी किसी से पैसा आदि नहीं मांगो।

उत्तर 16- *D.उपरोक्त सभी*

शिवबाबा को याद करो, देही-अभिमानी बनो। *इस अन्तिम जन्म में तुम एक ही बार देही-अभिमानी बनते हो। फिर सतयुग से कलियुग तक यह देही-अभिमानी बनने की

शिक्षा कोई देता ही नहीं। इस समय ही देही-अभिमानी बनना पड़ता है क्योंकि अब शरीर छोड़ मेरे पास आना है।* देवतायें देही-अभिमानी क्यों बनें, उनको वापिस थोड़ेही जाना है।